दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

5 बिजनौर में अनोखी घुड़चढ़ी

6 पीएम मोदी ने यूरोपीय देश के प्रिंस से की मुलाकात

7 क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 35 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 23 फरवरी, 2026

3 मार्च को होली पर लगेगा साल का पहला चंद्र ग्रहण!

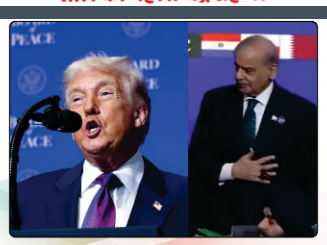

बोर्ड ऑफ पीस में शहबाज की 5 बार हुई बेइज्जती! ट्रंप के शो में स्टेपनी बनकर रह गया पाकिस्तान

रायबरेली के कुम्हार को मिला 1.25 करोड़ से ज्यादा का GST नोटिस, बेचारे को पढ़कर भी दूसरों ने बताया

ईरान में विरोध प्रदर्शन के बाद सक्रिय हुआ अमेरिका

28 दिसंबर
तेहरान में बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए जो पूरे देश में फैल गए।

2 जनवरी
राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका कार्रवाई के लिए तैयार है।

8-9 जनवरी
ईरान ने इंटरनेट बंद कर दिया और प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई शुरू की।

13 जनवरी
ट्रंप ने सोशल मीडिया पर 'मदद आ रही है' लिखकर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी।

27-28 जनवरी
ट्रंप ने दूसरे नौसैनिक बेड़े की घोषणा की और ईरान को परमाणु समझौता नहीं मानने पर दर्दनाक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

26 जनवरी
यूएसएस अब्राहम लिंकन अरब सागर पहुंचा और ईरान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा।

19 जनवरी
यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत (कैरियर स्ट्राइक ग्रुप) को मध्य पूर्व की ओर रवाना किया गया।

101 बटुकों का पूजन करने से नहीं धुल सकता माघ मेले में हुई घटना का पाप : अविमुक्तेश्वरानंद

यूपी में 'यादव जी की लव स्टोरी' का विरोध समाज की भावनाओं को आहत करने का आरोप

सीएम योगी की बड़ी घोषणा

शिक्षामित्रों को 10 की जगह 18 हजार रुपये हर महीने मिलेंगे, अनुदेशकों को 17 हजार

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब शिक्षा मित्रों को अप्रैल से 10 हजार की जगह 18 हजार रुपये मिलेंगे, जबकि अनुदेशकों को 17 हजार रुपये दिए जाएंगे। सरकार ने तत्काल भुगतान व्यवस्था लागू करने की बात भी कही है।

सीएम योगी ने शिक्षा मित्रों की सैलरी बढ़ाने का ऐलान किया है। अब उन्हें 10 हजार की जगह 18 हजार रुपये हर महीने मिलेगा। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी। योगी ने कहा, जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनेंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार देंगे। शिक्षकों के लिए पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी।

विश्वविद्यालयों की ओर से 5000 से ज्यादा पेटेंट की फाइलिंग

सीएम योगी ने कहा, विश्वविद्यालयों की ओर से 5000 से ज्यादा पेटेंट की फाइलिंग हुई है, जिसमें 300 से ज्यादा स्वीकृत हो चुके हैं। 2017 के पहले निजी विश्वविद्यालयों की स्वीकृति के लिए पिक एंड चूज किया जाता था। प्रदेश के छह मंडल तो ऐसे थे कि जहां एक भी विश्वविद्यालय नहीं था। हमने मां शाकुभरी विश्वविद्यालय की स्थापना की।

अब इन मंडलों में विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। हम सिर्फ राज्य के ही विश्वविद्यालय नहीं बना रहे हैं बल्कि निजी विश्वविद्यालय को भी बढ़ावा दे रहे हैं साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों को बुला रहे हैं जिससे कि शिक्षा के क्षेत्र में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा कर सकें।

पापा ने नई साइकिल गिफ्ट की थी, कन्हैया की नाले में गिरने से मौत..

गोरखपुर,संवाददाता । 5वीं के छात्र कन्हैया चौरसिया की नाले में गिरने से मौत हो गई. 4 दिन पहले ही उसके पापा ने साइकिल गिफ्ट की थी. उसी से वो घूम रहा था. साइकिल नाले में जा गिरी. सरिया पेट में घुस गया. कन्हैया की मौत हो गई।

किसानों को सीएम योगी का तोहफा, 2.51 लाख लाभार्थियों के खाते में भेजे 460 करोड़ रुपये

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2.51 लाख किसानों और 3500 परिवारों के खातों में कुल 460 करोड़ रुपये भेजे। फसल बीमा योजना के तहत 285 करोड़ और कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 175 करोड़ की सहायता दी गई। साथ ही आपदा मित्र कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। ढाई लाख से ज्यादा किसानों और उनके परिवारजनों के खाते में 460 करोड़ रुपये की धनराशि भेजी गई। इसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति राशि दी। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3500 लाभार्थी परिवारों को 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा, राज्य में आपदा मैनेजमेंट में सबसे पहले श्आपदा मित्रश ही हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को आगे बढ़ाने का काम किया है। खासकर 25 जिलों में NCC, NSS, NYKS भारत स्काउट्स एंड गाइड्स समेत 29,772 युवा वॉलंटियर्स को ट्रेनिंग दी गई है। उनके साथ मिलकर हमने आपदा मित्र मैनेजमेंट से जुड़े सभी प्रोग्राम को आगे बढ़ाया है। सरकार बदली तो हमने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

खाकी की कार्रवाई- मनबढ़ों ने देर रात छात्र नेता के घर की फायरिंग

गोरखपुर,संवाददाता। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के साथ भारी फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। इसमें एक नेता का बेटा है। पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी आर्थक प्रताप सिंह संग विपिन व अनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। आर्थक, कुशीनगर में डांसर के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी भी है। कोतवाली थाना क्षेत्र के अलीनगर उत्तरी मोहल्ले में शुक्रवार की रात सपा से जुड़े छात्र नेता के घर के बाहर बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैला दी। आरोप है कि विरोध पर घर में मौजूद उनकी मां से मारपीट भी की गई। प्रारंभिक जांच में एक युवती से बातचीत को लेकर वारदात की आशंका जताई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के साथ भारी फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। इसमें एक नेता का बेटा है। पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी आर्थक प्रताप सिंह संग विपिन व अनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। आर्थक, कुशीनगर में डांसर के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी भी है। बताया जा रहा है कि कोतवाली क्षेत्र निवासी उज्ज्वल यादव समाजवादी छात्र सभा के नेता हैं। फिलहाल बाहर गए हुए हैं। घर पर उनकी मां संध्या, पिता अंबुज और दो बहनें मौजूद थीं। शुक्रवार रात करीब 11रू20 बजे दो बाइक पर सवार चार युवक उनके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने ट्रांसफार्मर के पास खड़े होकर दाएं–बाएं दिशा में करीब आठ राउंड फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों में दुबक गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से आठ खोखे बरामद किए हैं।

टैरिफ अवैध तो अब क्या

बौखलाए ट्रंप ने दुनियाभर पर लगाए अतरिक्त शुल्क भारत को राहत या कुछ और

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ने राष्ट्रपति ट्रंप के वैश्विक टैरिफ को अवैध ठहराया। इसके बाद से अमेरिकी राजनीति में सियासी और व्यापारिक दोनों तरह भूचाल देखने को मिल रहे है। फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने 10: अस्थायी अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का एलान कर दिया। ऐसे में सवाल यह है कि क्या यह अदालत को जवाब है या एक नई रणनीति? भारत को मिली राहत स्थायी है या आगे और झटके संभव हैं? आइए यहां ट्रंप के टैरिफ का पूरा खेल समझते हैं। दुनिया भर में अमेरिकी टैरिफ को लेकर फिर हलचल तेज हो गई है। इसका बड़ा कारण है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक आयात शुल्क को 6–3 के बहुमत से रद्द कर बड़ा झटका दिया। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की अगुवाई में कोर्ट ने साफ कहा कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से आगे बढ़कर ये टैरिफ लगाए थे, जो कि गैरकानूनी हैं। इस फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने 20 फरवरी को हीं एक नया एलान कर वैश्विक जगत में टैरिफ को लेकर हलचल और बढ़ा दी है। ट्रंप के एलान में कहा गया है कि 24 फरवरी 2026 से 150 दिनों के लिए अमेरिका में आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत का अस्थायी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा, जिससे वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता फिर बढ़ गई है। इस फैसले के बाद भारतीय उत्पादों पर लगने वाला पारस्परिक टैरिफ अब घटकर सिर्फ 10 प्रतिशत रह जाएगा।

माँ कामाख्या के दर्शन करने पहुंचीं प्रियंका गांधी

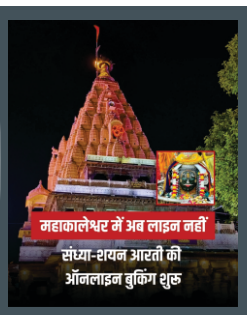

महाकालेश्वर में अब लाइन नहीं संध्या-शयन आरती की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

बांके बिहारी मंदिर में क्यों मचा बवाल?

देश के टॉप बिजनेस स्कूलों के छात्रों को मिलेगी फुल स्कॉलरशिप

अदाणी ग्रुप ने देश के टाप बिजनेस स्कूलों में मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एक बड़ी घोषणा की है।

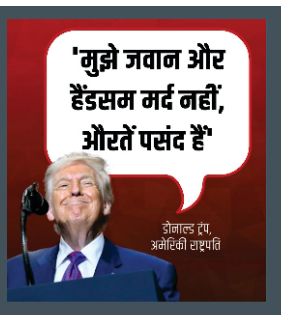

'मुझे जवान और हैंडसम मर्द नहीं, औरतें पसंद हैं'

डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

सम्पादकीय

एआई का महाकुंभ

अब यह समय और दौर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) का है। आगामी तीन सालों में एआई का विस्तार हजार गुना होगा और जिंदगी बिल्कुल बदल जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, प्रशासन और नीति–निर्माण, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान से लेकर आम आदमी और कर्मचारी तक एआई का दखल होगा और ये क्षेत्र एआई से ही संचालित होंगे। भारत एआई के बड़े और स्थापित देशों की रेस में शामिल नहीं है, लेकिन एआई की प्रतिभाएं देश में 33 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। करीब 69 फीसदी कंपनियां इस साल एआई में निवेश बढ़ाएंगी और 80 फीसदी कंपनियां इस नए हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं। करीब 92 फीसदी कर्मचारी एआई का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं–लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे। किसी नई प्रौद्योगिकी पर विमर्श और चिंतन–मनन के लिए यह सर्वोच्च मंच है, लिहाजा 'महाकुंभ' जैसा महत्व है। सभी हिस्सेदार, भागीदार व्यक्ति या देश एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे और एक पथ तय करेंगे कि एआई किस तरह मानवोपयोगी साबित हो सकती है। इतनी व्यापक चर्चा तब भी नहीं हुई, जब कम्प्यूटर हमारे बीच आया था और देश भय, खौफ में थे कि यह मानव का विकल्प साबित हो सकता है। ऐसा नहीं हुआ और आज कम्प्यूटर हमारे कामकाज का बुनियादी हथियार है।

बहरहाल ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया (सोल), फ्रांस (पेरिस) के बाद एआई का यह शिखर सम्मेलन भारत की राजधानी दिल्ली में जारी है। करीब 3 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है। दरअसल बुनियादी चिंता एआई चिप्स, रोजगार और परिवर्तन के बाद की दुनिया को लेकर है। भारत में एआई को 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' से जोड़ा जा रहा है, क्योंकि इससे मुंह के कैंसर की 86 फीसदी तक सटीक पहचान हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी, मद्रास 100 से अधिक भारतीय बोलियों (अवधी, ब्रज, हरियाणवी) पर काम कर रहा है। मकसद है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली–भाषा में ही शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। आईआईटी, रोपड़ ने एआई आधारित ऑटोमैटिक 'मौसम स्टेशन' तैयार किया है। इन्हें हजारों खेतों–गांवों में लगाया जा सकता है। करीब 15,000 रुपए की कीमत वाला यह उपकरण सिंचाई, फसल योजना और कीट–नियंत्रण आदि की सटीक सलाह देगा। बिहार और उप्र में इसका पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा है। एआई के क्षेत्र में हमने 5 बड़े कदम उठाए हैं, जो निर्णायक साबित हो रहे हैं। सर्वम एआई, परम–2, ज्ञानी, सॉकेट और गान–ये पांच बड़े प्रयास किए गए हैं। इनके जरिए हमारी सभ्यता, संस्कृति, इतिहास के प्राचीन अतीत को भी खंगाला जा सकता है और हम देख भी सकते हैं। फिर भी अमरीका और चीन की तुलना में भारत में एआई अभी 'शिशु अवस्था' में है। इसकी उन्नत और विकसित चिप, जिसे जीपीयू कहते हैं, बेहद महंगी है। एक चिप की कीमत 30,000 डॉलर से अधिक बताई जाती है। बीती अक्तूबर तक भारत ने 38,000 से अधिक चिप्स तैनात की हैं। पिछले साल जिन डाटा केंद्रों में ये चिप्स लगाई गई हैं, उन्होंने ग्रिड से 1.4 गीगावाट बिजली चूस ली है। यह पीक मांग के दौरान राजधानी दिल्ली की एक चौथाई बिजली के बराबर है। 2030 तक ये केंद्र 8 गीगावाट बिजली खर्च कर सकते हैं, जो राजधानी के लोड से अधिक हो सकती है। क्या हमारे पास इतनी सरप्लस बिजली है। एक गीगावाट 1000 मेगावाट बिजली के बराबर होता है। अमरीका चिप्स के बाजार का बादशाह है। उसने चीन की गति को धीमा करके रखा है, लेकिन चीन थमा नहीं है। उसने 150 अरब डॉलर का निवेश चिप–निर्माण में कर रखा है। भारत अभी 2.80 करोड़ चिप्स ही बना पा रहा है।

सिविल सेवा परीक्षा में सही सुधार

यूपीएससी में अभी और सुधारों का इंतजार है। हमने ब्रिटिश शासन से स्टील फ्रेम तो ले लिया, लेकिन उसके आत्मा को आत्मसात नहीं किया। यानी कार्यक्षमता, कम उम्र में भर्ती, पाठ्यक्रम, व्यवस्थित प्रशिक्षण, काम के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रशंसा की जानी चाहिए कि इस संस्था में समय के अनुसार लगातार सुधार और समीक्षा की प्रक्रिया जारी रहती है। 2026 में होने वाली सिविल सेवा परीक्षा में सुधार के कुछ कदम स्वागतयोग्य हैं। इनके अनुसार परीक्षा में अंतिम रूप से सफल होने पर यदि किसी उम्मीदवार को ग्रुप ए की कोई सेवा मिल जाती है, तो उसके बाद उसे आइएएस, आइएफएस जैसी अखिल भारतीय सेवाओं में जाने के लिए केवल एक अवसर और मिलेगा। उसके बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। यदि वह अपने विभाग से प्रसन्न नहीं है, तो त्यागपत्र देकर फिर से परीक्षा दे सकता है।

आइएएस और आइएफएस में एक बार चुने जाने के बाद फिर से परीक्षा में बैठने की इजाजत पहले की तरह अभी भी नहीं होगी। वैसे यहां लोकतांत्रिक ढंग से एक गुंजाइश छोड़ी गई है। लगभग 23 विभागों में पांच विभाग जैसे अगर दिल्ली में दानिक्स या पुडुचेरी पुलिस आदि में ग्रुप बी की सेवा मिलती है तब जरूर उसे एक से ज्यादा अवसर मिल सकते हैं। इस एक सुधार से कई स्तरों पर फायदा होगा। सबसे पहले नए उम्मीदवारों के लिए ज्यादा पद खाली मिलेंगे, वरना पहले से सफल उम्मीदवार बार–बार उन्हीं पदों पर चुने जाते रहे हैं। एक बार चुने जाने वालों के लिए भी एक और अवसर देने से वे लगातार 30–35 वर्ष तक परीक्षा में शामिल होने के लोभ से बच जाएंगे।

सभी सेवाओं के वेतनमान और सुविधाएं लगभग बराबर ही होती हैं। पहले इन विभागों को उम्मीदवार तो आवंटित हो जाते थे, लेकिन उनमें से कितने ज्वाइन करेंगे, कोई पता नहीं होता था। कुछ फिर से परीक्षा में बैठने के लिए लगातार दो–चार वर्षों तक कई बहाने जैसे मेडिकल, मां की बीमारी आदि बताकर कोशिश करते रहते थे। इससे उनकी वरिष्ठता और प्रशिक्षण की समस्याएं पैदा होती थीं। नतीजतन प्रशासनिक क्षमता में लगातार गिरावट आ रही थी। अब सभी विभाग बेहतर ढंग से काम कर पाएंगे। इससे सभी विभागों की ट्रेनिंग और क्षमता भी बेहतर होगी। इस सुधार के सामाजिक परिणाम भी अच्छे आएंगे।

जब जाति विशेष के कारण किसी उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनंत छूट रहती है, तब तक उसके अंदर बार–बार परीक्षा देने की भूख भी कायम रहती है, लेकिन प्रश्न है कि कितने उम्मीदवारों के लिए यह संभव है? क्या यह दुनिया की सबसे बड़ी नौजवान पीढ़ी की क्षमता और ऊर्जा की बर्बादी नहीं है? क्या यह सामाजिक–जातीय विभाजन की तरह सेवाओं में भी कमतर और बेहतर की भावना पैदा नहीं करता? उनके अभिभावक भी लगातार चिंता में डूबे रहते हैं कि उनकी परीक्षा के चक्र कब खत्म होंगे? देश को इन सबसे मुक्ति चाहिए। मौजूदा सुधार का दूसरा पक्ष भी महत्वपूर्ण है और वह है राज्यवार कैडर में उम्मीदवारों का वितरण।

नौकरशाही के स्टील फ्रेम में आइएएस सबसे मजबूत आधार होता है। जिस राज्य के लिए उनका आवंटन होता है, वे उस राज्य में ही रहते हैं या फिर केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आते हैं, लेकिन उस राज्य में बने रहने के कुछ दुष्परिणाम अतीत में अनुभव किए गए। जैसे जब पंजाब में आतंकियों ने कहर बरपा रखा था, तब अहसास हुआ कि वहां नियुक्त कुछ अधिकारियों और समाज विरोधी तत्वों के बीच मिलीभगत हो गई थी। इसलिए बाद में यह फैसला किया गया कि किसी भी राज्य में वहां के रहने वाले उम्मीदवारों के एक तिहाई से ज्यादा नहीं तैनात होंगे और दो तिहाई उम्मीदवार दूसरे राज्यों के होंगे। देश की एकता में इसके बहुत अच्छे परिणाम आए। यदि ऐसे उम्मीदवार किसी अन्य राज्य में तैनात होते हैं, तो भाई–भतीजावाद जैसे भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी कम रहती है। अब इसी में एक कदम और बढ़ाकर इसे और पारदर्शी ढंग से किया गया है। इससे उम्मीदवारों में यह अहसास और पुख्ता होगा कि पूरा देश आपका है और आपको कहीं भी नियुक्ति दी जा सकती है।

लौट आओ फागुन

एक दिन फागुन गौरी के कपोलों में फूटा और वेणी का फूल बनकर खिलखिलाया तो उसने सखी से पूछ ही लिया, 'क्योंरी यह मुझे हुआ क्या है? जबरन हंसी आने लगी है तथा मन में रह–रहकर गुदगुदी उठने लगी है, जरा कोई भेद हो तो मुझे समझाओ।' गौरी की बात को सखी समझ गई– संकोच से नजर झुकाए जमीन खुरचती हुई बोली, 'अरी मुई, कुछ समझती भी नहीं, परदेसी प्रीतम के लौटने के दिन आ गए हैं, देखती नहीं, बागों में फूल खिलने लगे हैं तथा हवा सनसना रही है। फागुन प्रकृति के पाहून (मेहमान) बनकर आ गए हैं– समझो अब वह भी आने ही वाले हैं!' सखी की बात सुनकर गौरी कनपटियों तक लाल हो गई, वह धीरे से बोली– 'हां सखी, तभी उनका इस महीने मनिआर्डर नहीं आया। सखी वे आएंगे तब मेरे लिए क्या–क्या लेकर आएंगे?' सखी ने बताया, 'अरी मरी, चीजों की चिंता क्यों करती है, अब तो वे स्वयं पधारेंगे, उनसे बड़ी चीज अब तेरे लिए और क्या हो सकती है?' 'क्या बक रही हो सखी, क्या मेरे लिए साडियों के बड़े–बड़े बण्डल तथा सौन्दर्य–प्रसाधनों के ढेर से तोहफे नहीं लाएंगे। सच मान यदि वे ऐसे नहीं आए तो मैं उनसे रूठ जाऊंगी तथा फागुन माह में ही परदेस पलायन को विवश करवा दूंगी। फागुन में प्रियतम आएं, रोका किसने? पर क्या खाली हाथ आकर वे यहां मक्खियां मारेंगे क्या? वक्त का तकाजा जो परदेसी नहीं समझेगा उसे यूं ही पछताना पड़ता है। इसलिए बावरे प्रीतम की साली जमाने की हवा को पहचानना सीख।' गौरी ने कहा। सखी परंपरावादी विचारों की गृहिणी थी, अतरू बोली– 'गौरी, इतनी निठूर मत बन। मेरे प्रियतम तो कभी भी मेरे लिए सामान्य सजावट की चीज ही नहीं ला पाते हैं, उसके बाद भी मैं उन पर और वे मुझ पर जान छिडक़ते हैं।'

'तू ठहरी निपट गंवार, मैं तेरी तरह पुराने विचारो की नहीं हूं या तो प्रियतम मेरे लिए उपहार ले आएंगे वरना मैं जान पर मिट्टी का तेल छिडक़ लूंगी।' सखी ने लपककर गौरी के मुंह पर हाथ धर दिया और मुंह फाडक़र बोली– 'धत तेरे की। फागुन के महीने में प्रियतम के लिए ऐसा बोलते हुए तेरी जुबान को आग क्यों नहीं लग गई। निगोड़ी, प्रियतम किस तरह रेल तथा बसों में धक्के खाते हुए भड़भूजे बने क्या तेरे लिए यहां इसी संवाद को सुनने आएंगे? सुन, प्रियतम आने ही वाले होंगे, उन्हें गुनगुना पानी कर दे ताकि वे स्नान कर ताजा हो सकें।' गौरी की आंखें लाल हो गईं तथा चेहरा भट्टी के समान तपने लगा और वह बोली– 'सखी रहने दो, ज्यादा उपदेशों की घुट्टी मत पिलाओ मुझे।

पानी को गुनगुना करने से क्या होगा। इस समय तो मेरे क्रोध की आंच से जो आए वही भस्म हो जाने वाला है! चुप रह– प्रियतम की दब्बू। तेरी जैसियों ने ही तो पुरुषों को बिगाड़ा है। तू प्रियतम की पत्नी है या रखैल, कलमुंही कहां सीखी है तूने ये घटिया–दकियानूसी बातें।' सखी को गौरी का इस तरह बोलना बुरा लगा। वह मुंह फुलाकर बोली– 'गौरी, तू नए जमाने की है तो क्या हुआ? जबान संभालकर बोल, तू प्रियतम का मोल भला क्या जाने। तू तो केवल प्रियतम के पैसों की भूखी है, राम करे तेरा प्रियतम इस फागुन में तुझसे सौ कोस दूर ही बैठा रहे और मनिआर्डर भी न आवे।' गौरी का मुंह मनिआर्डर को दिए जाने वाले शाप पर तमतमा गया, वह बोली– 'मैं कहती हूं, तू चली जा। मेरी मौज–मस्ती को देखकर जलती है।'

एआई और भारत

भारत नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। यह ग्लोबल साउथ में पहला बड़ा एआई समिट है। इस समिट को पीपल, प्लानेट और प्रोग्रेस के तीन स्तंभों पर केंद्रित किया गया है– यानी फोकस एआई का उपयोग मानवता के लाभ, पर्यावरण और स्थिरता एवं सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए करना है। इसकी थीम 'रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस' और 'एआई फॉर ग्लोबल गुड' है। यह समिट एक महत्वपूर्ण वैश्विक एआई सम्मेलन है जिसमें लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। यह समिट भारत को ग्लोबल एआई हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में से एक है। यह केवल तकनीक नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, शासन, वित्तीय सेवाओं और सामाजिक विकास जैसे हर क्षेत्र पर प्रभाव डाल रही है। भारत सरकार ने इसे एक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में अपनाया है और इसे विकास, समावेशन और वैश्विक नेतृत्व के लिए एक मंच के रूप में बनाया है। इसी सिलसिले में भारत में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना के साथ पहली बार ग्लोबल साउथ की सबसे बड़ी एआई इंपैक्ट समिट 2026 का आयोजन हो रहा है। भारत की जनसंख्या, विविध भाषाएं, विविध डेटा स्रोत और आईटी प्रतिभा ने देश को एआई के लिए एक अनूठा अवसर दिया है। भारत की युवा शक्ति, उद्यमियों की संख्या और सेवाओं में डिजिटल रूपांतरण की गति एआई को अपनाने में प्रमुख भूमिका निभा रही है।

भारत नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। यह ग्लोबल साउथ में पहला बड़ा एआई समिट है। इस समिट को पीपल, प्लानेट और प्रोग्रेस के तीन स्तंभों पर केंद्रित किया गया है– यानी फोकस एआई का उपयोग मानवता के लाभ, पर्यावरण और स्थिरता एवं सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए करना है। इसकी थीम 'रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस' और 'एआई फॉर ग्लोबल गुड' है। यह समिट एक महत्वपूर्ण वैश्विक एआई सम्मेलन है जिसमें लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। यह समिट भारत को ग्लोबल एआई हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य एआई के उपयोग को ग्लोबल साउथ देशों के लिए और अधिक लोकतांत्रिक बनाना, एआई के नैतिक, जिम्मेदार और पारदर्शी उपयोग के मानदंडों को विश्व स्तर पर प्रोत्साहित करना, विभिन्न क्षेत्रों में एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को साझा करना, जैसे स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और शासन। एआई इंपैक्ट समिट 2026 में गूगल के सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, मेटा के एलेक्जेंडर वांग और एनवीडिया के जेनसेन हुआंग जैसे ग्लोबल लीडर शामिल हो रहे हैं। इससे भारत को वैश्विक एआई नीति वार्ता में निर्णायक भूमिका, वैश्विक शोध और निवेश साझेदारियां, एआई के नैतिक और सामाजिक अनुप्रयोगों पर वैश्विक मानकों का निर्माण जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। यह सम्मिट सिर्फ तकनीकी चर्चा का केंद्र नहीं है, बल्कि वैश्विक सहयोग, नीति निर्माण, नवाचार, और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर साझेदारियां मजबूत करने वाला मंच भी है। भारत अपनी एआई यात्रा में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग 2025 के अनुसार भारत तीसरे स्थान पर है। यह रैंकिंग एआई शोध, डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप गतिविधि के आधार पर दी जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एआई को समावेशी विकास और विकसित भारत का हिस्सा मानते हैं।

पंजाब एंड सिंध बैंक गोलघर शाखा का तत्कालीन प्रबंधक गिरफ्तार, 34.78 लाख रुपये हड़पने का आरोप

गोरखपुर,संवाददाता। वर्ष 1999 में बैंक की गोलघर शाखा में तैनात शाखा प्रबंधक, कैशियर, क्लर्क और अन्य अधिकारियों ने कथित रूप से अपने सगे–संबंधियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाए। इन खातों में अवैध रूप से धनराशि स्थानांतरित कर कुल 34,78,420 रुपये का गबन किया गया। मामले का पर्दाफाश होने के बाद बैंकिंग महकमे में हड़कंप मच गया था।

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 27 साल पुराने गबन प्रकरण में कार्रवाई करते हुए पंजाब एंड सिंध बैंक की गोलघर शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक जयदीप मित्रा को वाराणसी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 27 साल से भागा हुआ था। आरोप है कि फर्जी तरीके से अपने रिश्तेदारों के नाम पर बैंक खाते खोले और उनमें रुपये भेजकर कुल 34,78,420 रुपये का गबन किया गया।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 1999 में बैंक की गोलघर शाखा में तैनात शाखा प्रबंधक, कैशियर, क्लर्क और अन्य अधिकारियों ने कथित रूप से अपने सगे–संबंधियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाए। इन खातों में अवैध रूप से धनराशि स्थानांतरित कर कुल 34,78,420 रुपये का गबन किया गया। मामले का पर्दाफाश होने के बाद बैंकिंग महकमे में हड़कंप मच गया था। इस संबंध में गोरखपुर के कैंट थाने में आरोपियों के खिलाफ विश्वासघात, फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी, जालसाजी, साजिश की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

तत्कालीन शाखा प्रबंधक जयदीप मित्रा –

प्रारंभिक विवेचना स्थानीय पुलिस ने की, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन के निर्देश पर 10 जुलाई 2000 को जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दी गई।

ईओडब्ल्यू की जांच में कुल नौ आरोपियों की संलिप्तता सामने आई थी।

इनमें से अधिकांश आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि दो आरोपी जिनमें जयदीप मित्रा भी शामिल था, लंबे समय से भागा हुआ था। ईओडब्ल्यू टीम ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को वाराणसी में दबिश देकर जयदीप मित्रा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक मामले में शेष आरोपियों की तलाश जारी है और सभी के विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में 'यादव जी की लव स्टोरी' का विरोध समाज की भावनाओं को आहत करने का आरोप

आगामी 27 फरवरी को रिलीज होने वाली फिल्म श्यादव जी की लव स्टोरीश को लेकर उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद और मैनपुरी जिलों में विरोध हो रहा है। विश्व यादव परिषद और यादव महासभा ने फिल्म में यादव समाज को गलत और आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा है। दोनों संगठनों ने फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने और गहन जांच की मांग की है, अन्यथा सामाजिक वैमनस्य फैलने की आशंका जताई है।

बचने के लिए बदल लिया था हुलिया

मुख्य आरोपी विशाल साथी संग गिरफ्तार,पहचान छिपी रहे, मुंडवा लिया था सिर

गोरखपुर,संवाददाता। चिलुआताल इलाके के तेनुअहिया गांव निवासी अरुण निषाद की बीते रविवार की शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में तीन बाल अपचारियों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसमें तीन बाल अपचारियों को मंगलवार को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया। वहां से उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया। फर्टिलाइजर निवासी देवेंद्र और बिट्टू निषाद को जेल भेज दिया गया। चिलुआताल थाना क्षेत्र के तेनुअहिया गांव निवासी अरुण निषाद (22) की हत्या के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी विशाल सिंह को उसके एक साथी के साथ बुधवार को चिलुआताल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने सिर मुंडवा कर हुलिया बदल लिया था। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल, कारतूस, तीन बाइक और एक लग्जरी कार बरामद की है। दोपहर बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

चिलुआताल इलाके के तेनुअहिया गांव निवासी अरुण निषाद की बीते रविवार की शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में तीन बाल अपचारियों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसमें तीन बाल अपचारियों को मंगलवार को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया। वहां से उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया। फर्टिलाइजर निवासी देवेंद्र और बिट्टू निषाद को जेल भेज दिया गया। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने बुधवार को चिलुआताल इलाके के हमीदपुर निवासी विशाल सिंह और करीमनगर के सोनू यादव उर्फ बल्ले यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद विशाल सिंह और सोनू यादव ने अपनी पहचान छिपाने के लिए सिर मुंडवा लिए थे। विशाल सिंह की बहन की 20 फरवरी को शादी है और शादी के कार्ड में उसका नाम भी छपा है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पुलिस की पकड़ से बचने के लिए उन्होंने हुलिया बदला था।

रविवार शाम मैदान में जुटे थे सभी दोस्त

एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि 15 फरवरी की शाम अरुण अपने छह दोस्तों के साथ घर के बगल स्थित मैदान में गया था। वहां विशाल एक पिस्टल लेकर पहुंचा। सभी युवक पिस्टल की टेस्टिंग कर रहे थे, तभी अचानक विशाल से गोली चल गई। गोली अरुण के सीने में लगी और वह मौके पर ही गिर पड़ा।

दो होली स्पेशल से गोरखपुर की राह होगी आसान

गोरखपुर,संवाददाता। 04829 जोधपुर–गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 05, 12, 19 एवं 26 मार्च को जोधपुर से शाम 4रू15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गोरखपुर रात 8रू50 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04830 गोरखपुर–जोधपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 06, 13, 20 एवं 27 मार्च को गोरखपुर से रात 11:25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन जोधपुर देर रात 03रू00 बजे पहुंचेगी।

रेल प्रशासन ने होली पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें जोधपुर–गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल और श्री गंगानगर जं.–गोरखपुर के बीच चलेंगी। 04829 जोधपुर–गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 05, 12, 19 एवं 26 मार्च को जोधपुर से शाम 4:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गोरखपुर रात 8:50 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04830 गोरखपुर–जोधपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 06, 13, 20 एवं 27 मार्च को गोरखपुर से रात 11:25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन जोधपुर देर रात 03:00 बजे पहुंचेगी।

इसी प्रकार 04729 श्री गंगानगर जं.–गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल 26 फरवरी से 26 मार्च तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को श्री गंगानगर जं. से दोपहर 1रू25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गोरखपुर शाम 4:30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 04730 गोरखपुर–श्री गंगानगर जं. साप्ताहिक होली स्पेशल 27 फरवरी से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से शाम 7:30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन श्री गंगानगर जं. देर रात 02:45 बजे पहुंचेगी।

दो मार्च की रात होलिका दहन

गोरखपुर,संवाददाता। हालांकि भद्रा के पुंछ काल को शुभ बताया गया है। इस वर्ष भद्रा का पुंछ भाग रात्रि 12:50 बजे से रात 2:02 बजे तक रहेगा। यही एक घंटा 12 मिनट का समय होलिका दहन के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त माना गया है। तीन मार्च को पूर्णिमा होने से स्नान–दान का विशेष महत्व रहेगा। पंडित विकास मालवीय ने बताया कि होली चौत्र कृष्ण प्रतिपदा में मनाने की परंपरा के अनुसार रंगभरी होली चार मार्च को मनाई जाएगी। इस बार होलिका दहन दो मार्च को व रंग भरी होली चार मार्च को मनाई जाएगी। तीन को स्नान–दान की पूर्णिमा होगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, होलिका पूजन और दहन पूर्णिमा तिथि में भद्रा रहित समय में रात्रि में किया जाता है। इस वर्ष पूर्णिमा तिथि में भद्रा का वास होने से विशेष स्थिति बन रही है। भद्रा दो मार्च को शाम 5:18 बजे से आरंभ होकर तीन मार्च सुबह 4रू56 बजे तक रहेगी। ऐसे में पूरी रात भद्रा और पूर्णिमा दोनों का संयोग रहेगा। गोरखनाथ मंदिर संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वेद विभागाध्यक्ष डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी ने बताया कि शास्त्रों में भद्रा के समय होलिका दहन वर्जित माना गया है। हालांकि भद्रा के पुंछ काल को शुभ बताया गया है। इस वर्ष भद्रा का पुंछ भाग रात्रि 12:50 बजे से रात 2:02 बजे तक रहेगा।

पानी खरीदते समय रहे सावधान– डेढ़ लाख बोतल दूषित पानी खप चुका है बाजार में..

गोरखपुर,संववाददाता। बाजार में बोतलबंद पानी खरीदने के पहले सतर्क रहें। हो सकता है आप जो पानी पीने जा रहे हैं वह दूषित हो और आपकी जान पर बन आए। शहर में पानी के चार लोकल ब्रांड के नमूने फेल मिले हैं, जो पीने लायक नहीं हैं। इन ब्रांड के पानी के उत्पादन और बिक्री पर रोक तो लगा दी गई है, लेकिन इसके पहले ही यहां से करीब डेढ़ लाख बोतल पानी की आपूर्ति बाजार में हो चुकी है। इसे हटाया नहीं गया और लोग बेफिक्र होकर वही पानी पी रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बोतलबंद पानी पीने में सतर्कता बहुत जरूरी है वरना पीलिया के साथ पेट संबंधित अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच में चार स्थानीय कंपनियों के पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर के नमूने फेल पाए गए हैं। जांच रिपोर्ट में इस पानी में कोलीफॉर्म जैसे हानिकारक बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है, जो सीधे तौर पर स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माने जाते हैं। इसके बाद प्रशासन ने संबंधित कंपनियों के उत्पादन और बिक्री पर रोक लगा दी है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बाजार में अब भी इन कंपनियों के बोतलबंद पानी धड़ल्ले से बिक रहे हैं। दरअसल, प्रतिबंध से पहले इन कंपनियों का जो स्टॉक बाजार में भेजा गया था, वही लॉट अब भी दुकानों पर मौजूद है। विभागीय कार्रवाई प्लांट तक सीमित रहने के कारण यह स्टॉक पूरी तरह जब्त नहीं हो पाया है।

बॉटलिंग प्लांट लगाने वाले विशाल ने बताया कि स्थानीय स्तर पर प्लांट में रोजाना 15 से 20 हजार बोतल पानी का उत्पादन हो जाता है। स्थानीय ब्रांड की खपत रेलवे और बस स्टेशन, चाय के अलावा छोटी दुकानों पर ज्यादा होती है। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और इनके आसपास के क्षेत्रों में लोकल ब्रांड का बोतलबंद पानी आसानी से मिल जाता है। सफर के दौरान प्यास लगने पर लोग जल्दबाजी में बिना ब्रांड या गुणवत्ता देखे बोतल उठा लेते हैं। यात्रियों को यह भरोसा रहता है कि सीलबंद बोतल में पानी सुरक्षित ही होगा लेकिन यही भरोसा कई बार उनकी सेहत पर भारी पड़ सकता है।

ट्रेन आते ही बोतल लेकर दौड़ते हैं बच्चे

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आते ही बच्चे और महिलाएं पानी की बोतलें लेकर दौड़ पड़ते हैं। खासकर भीड़ वाले कोच के सामने खड़े हो जाते हैं ताकि यात्री नीचे आने लायक न हो। प्यासे लोग तत्काल पानी लेकर प्यास बुझाते हैं। दरअसल, यह पानी वहीं रेलवे की सप्लाई वाला होता है।

खाली बोतल के लिए कुछ लोग लगे होते हैं जो ट्रेन में जाकर या पटरियों के पास फेंके गए बोतलों को उठा लेते हैं। कई जगहों पर खाली बोतलों में सामान्य नल या हैंडपंप का पानी भरकर दोबारा बेचने का खेल भी चल रहा है। स्थानीय स्तर पर खाली बोतलें इकट्ठा कर ली जाती हैं और उनमें बिना किसी शुद्धिकरण के पानी भरकर उन्हें दोबारा सील जैसा रूप दे दिया जाता है।

बाहर से देखने पर बोतल नई और सुरक्षित लगती है लेकिन अंदर का पानी पूरी तरह असुरक्षित हो सकता है। सफर करने वाले लोग, जो शहर से अनजान होते हैं, आसानी से इस धोखे का शिकार हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें स्थानीय हालात की जानकारी नहीं रहती।

कमीशन के खेल में लोकल ब्रांड की मांग ज्यादा

दुकानदारों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। लोकल ब्रांड और इस तरह के पानी पर उन्हें नामी कंपनियों के मुकाबले ज्यादा कमीशन मिलता है। कम कीमत और ज्यादा मुनाफे के लालच में कई दुकानदार गुणवत्ता से समझौता करने से भी नहीं हिचकते। यही वजह है कि प्रतिबंध और चेतावनी के बावजूद बाजार में असुरक्षित पानी की बिक्री पूरी तरह नहीं रुक पा रही है। जानकारों का कहना है कि लोकल ब्रांड का पानी भी 20 रुपये लीटर बिकता है और इसमें 12 से 13 रुपये कमीशन मिल जाता है।

बैक्टीरिया युक्त बोतलबंद पानी से बीमारियों का खतरा

कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी साफ बताती है कि पानी का स्रोत या प्रोसेसिंग दूषित है। बोतलबंद पानी यदि बैक्टीरिया से दूषित हो जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ऐसे पानी के सेवन से दस्त, उल्टी, पेट दर्द, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

दोनों डिप्टी सीएम से मिले संघ प्रमुख मोहन भागवत

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। इसे लेकर सियासी तापमान बढ़ गया है। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। हालांकि, प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में फेरबदल की चर्चाओं के बीच सीएम व डिप्टी सीएम से संघ प्रमुख की मुलाकात ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। संघ प्रमुख ने दोनों डिप्टी सीएम से बृहस्पतिवार सुबह करीब 10–10 मिनट के लिए मुलाकात की। इसके पहले,

मुख्यमंत्री बुधवार को रात आठ बजे संघ प्रमुख से मिले राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचे। एकांत में दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई। संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी लखनऊ में थे और उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई। मौजूदा समय में प्रदेश की सियासत के स्तर पर होने वाले बदलाव को देखते हुए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों के बीच मुलाकात को भले ही शिष्टाचार बताया जा रहा है किस लेकिन योगी की बार–बार संघ प्रमुख से होने वाली मुलाकातों को लेकर अटकलों का बाजार गरम है।

2027 का तानाबाना बुनने में संघ की अहम भूमिका के संकेत

सूत्रों का कहना है कि इधर बीच जिस तरह से संघ प्रमुख का फोकस यूपी को लेकर दिख रहा है और वह किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने यूपी आ रहे हैं।

उससे साफ है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का ताना–बाना बुनने में संघ परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह जब भी यूपी के दौरे पर होते हैं, सीएम योगी की मुलाकात भी होती रही है। यूपी में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इस लिहाज से भी सरकार और संघ के मुखिया की मुलाकात अहम है।

शिव जी का विवाह किस माह में हुआ था

सवाल पर मेटा एआई ने दी गलत जानकारी मुकदमे की चेतावनी पर मांगी माफी

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी के रहने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता ने मेटा एआई से शिव विवाह के बारे में जानकारी मांगी। इस पर मेटा एआई ने गलत जानकारी उपलब्ध कराई। सामाजिक कार्यकर्ता ने जब मुकदमे की चेतावनी दी उसने माफी मांग ली। सारनाथ थाना क्षेत्र के तिलमापुर के पूर्व प्रधान और सामाजिक कार्यकर्ता नागेश्वर मिश्र ने मेटा पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है। पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र में मेटा एआई के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

पुलिस आयुक्त कार्यालय ने सारनाथ पुलिस को सौंपी है। नागेश्वर मिश्र ने प्रार्थना पत्र में जिक्र किया कि अमेरिकी सोशल नेटवर्किंग साइट मेटा एआई सनातन धर्म और संस्कृति की गलत जानकारी देता है।

पुलिस को बताया कि 15 फरवरी की सुबह 8.27 मिनट पर व्हाट्सएप से मेटा एआई से पूछा कि शिव जी का विवाह किस महीने में हुआ था? जिसका गलत उत्तर मेटा एआई ने दिया। फिर एआई को चेतावनी देते हुए कहा कि यह जानकारी गलत है क्यों न मेटा एआई पर मुकदमा किया जाए। तब मेटा एआई ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि मैं अपनी गलती के लिए माफी चाहता हूं। आगे मेटा एआई ने यह भी कहा कि मैं अपनी जानकारी को सही करने की कोशिश करूंगा और भविष्य में बेहतर जानकारी देने की कोशिश करूंगा।

16 फरवरी की शाम 5.39 बजे व्हाट्सएप से मेटा एआई की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के उद्देश्य से पूछा कि मेरी जन्मतिथि 4 सितंबर 1975 है और समय रात 8:45 मिनट पर कृपया मेरी राशि व उसके संबंध में कुछ जानकारी दें।

मेटा एआई ने गलत जानकारी देते हुए मेरी राशि कन्या बताई, जबकि मेरी राशि सिंह है। इस प्रकार यह स्वयं सिद्ध है कि मेटा एआई हमें और हमारे लोगों को जानबूझकर भटकाने और गुमराह करने के लिए गलत जानकारी दे रहा है। प्रधानमंत्री से मांग है कि मेटा एआई को भारत में प्रतिबंधित किया जाए।

मेटा एआई से चौट के अंश

शिव जी का विवाह फाल्गुन महीने में हुआ था। फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है और इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। यह दिन भगवान शिव की पूजा और उपासना के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

मैं अपनी गलती के लिए माफी चाहता हूं। शिव जी का विवाह फाल्गुन महीने में नहीं हुआ था, बल्कि महाशिवरात्रि के दिन हुआ था, जो फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को नहीं, बल्कि माघ महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है।

मुझे मीठे का कोई शौक नहीं

टिकैत के हलवाई-ततैया वाले बयान पर जयंत चौधरी का पलटवार

मेरठ,संवाददाता। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने नरेश टिकट के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे मीठे का कोई शौक नहींश है।

वहीं इस बयान से यूपी की राजनीति में हलचल मच गई है। राष्ट्रीय लोक दल यानी रालोद के प्रमुख जयंत चौधरी ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, श्जो हलवाई और ततैये का किस्सा सुना रहे हैं, उन्हें मैं बता दूं कि मुझे मीठे का कोई शौक नहीं।

इस पोस्ट के सामने आते ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है और राजनीतिक गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। बागपत में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह पर कटाक्ष करते हुए हलवाई और ततैया का उदाहरण दिया था।

उन्होंने कहा था कि चौधरी जयंत सिंह सरकार में हैं, इसलिए उन्हें सरकार के पक्ष में ही बोलना पड़ता है।

टिकैत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हलवाई की दुकान पर बैठा ततैया हलवाई को नहीं काटता, बल्कि मिठाई पर बैठा रहता है और हलवाई उसे हटाता रहता है, उसी तरह जयंत सिंह भी सरकार के खिलाफ कुछ नहीं कह सकते। नरेश टिकैत का यह बयान वायरल होने के बाद जयंत सिंह ने फेसबुक और एक्स (ट्विटर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि हलवाई और ततैया का किस्सा सुनाने वालों को बता दूं कि उन्हें मीठे का शौक नहीं है।

जयंत सिंह के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के समर्थकों के बीच बहस शुरू हो गई। एक ओर जहां टिकैत समर्थक उनके बयान का समर्थन कर रहे हैं, वहीं जयंत सिंह के समर्थक इसे करारा जवाब बता रहे हैं।

पोस्ट के सियासी मायने तलाशे जा रहे

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जयंत चौधरी का यह बयान पलटवार है। श्लवाई और ततैया की कहानी को आमतौर पर सत्ता, लाभ और उसके आसपास मंडराने वाले लोगों के संदर्भ में देखा जाता है। ऐसे में उनके श्मीठ का शौक नहींश वाले बयान को सत्ता या किसी राजनीतिक लाभ की चाहत से दूरी बनाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

गठबंधन और चुनावी रणनीति से जोड़कर भी देख रहे लोग

जयंत चौधरी के इस बयान को आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 और वर्तमान राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह बयान उनकी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिद्धांत आधारित राजनीति का संदेश देने की कोशिश भी हो सकता है।

बाघ, तेंदुओं की धरती पर बेखौफ बस्तियां

प्रकृति और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य की मिसाल है ये गांव

लखनऊ,संवाददाता। भारत–नेपाल सीमा पर बसे कुछ गांवों ने मानव–वन्यजीव संघर्ष से बचने के तरीके विकसित कर लिए हैं। ग्रामीणों ने ऐसी फसलें चुनी हैं जो उन्हें वन्यजीवों से बचाती हैं। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि मां भवानी की कृपा से वो सुरक्षित हैं। प्रकृति और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य की मिसाल है कतर्नियाघाट के जंगलों के बीच बसा भवानीपुर गांव। बाघ, तेंदुए और हाथी अक्सर गांव के चारों तरफ घूमते हैं लेकिन कभी ग्रामीणों पर हमला नहीं करते। ग्रामीणों ने फसलें भी ऐसी चुनी हैं जो उन्हें वन्यजीवों से बचाती हैं। हालांकि, गांव के लोग मानते हैं कि उनके गांव का नाम मां भवानी के नाम पर है। इसलिए मां भवानी की कृपा से वे सुरक्षित हैं। भारत–नेपाल सीमा पर बसे ज्यादातर गांव मानव–वन्यजीव संघर्ष का केंद्र बने हुए हैं। वहीं, कुछ गांव ऐसे भी हैं जो जंगल के बीच या किनारे पर होने के बाद भी खतरे से बाहर हैं। आखिर कैसे? इसी जिज्ञासा ने हमें बहराइच में कौड़ियाला नदी के पास बसे राजस्व गांव भवानीपुर पहुंचा दिया। कौड़ियाला नदी नेपाल के पहाड़ों से निकलकर यहां प्रवेश करती है। भवानीपुर के लोग काफी हद तक प्रकृति पर निर्भर हैं। बिजली की जगह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं।

तिगड़ाः हमें एक–दूसरे को देखने की आदत, मगर दूर से

इंसानों और जंगल पर आधिपत्य रखने वाले जानवरों के बीच सामंजस्य का दूसरा उदाहरण तिगड़ा गांव है। कतर्निया के घने जंगलों और गांव के बीच 4–5 मीटर की बरसाती नदी है। यहां भी किसी वन्यजीव ने कभी हमला नहीं किया। तिगड़ा के सागर प्रसाद कहते हैं कि गांव के आसपास कोई बाघ या तेंदुआ दिखता है तो हम शोर नहीं मचाते। बस रास्ता बदल लेते हैं। इन जानवरों को भी हमारा गांव देखने की आदत पड़ गई है। इसलिए वे भी अलग रास्ता पकड़ लेते हैं। तिगड़ा के लालजीत ग्राम देवता की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि उनकी पूजा हमें हर खतरे से बचाती है।

धुसकियाः हमारा सह–अस्तित्व मजे से चल रहा

लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व से महज 300 मीटर दूरी पर बसा घुसकिया गांव थारू जनजाति के लिए जाना जाता है। ग्रामीण वीर प्रताप बताते हैं कि यहां के जंगलों में हाथी, बाघ, तेंदुए, भालू और गैंडे हैं। कभी इंसानों को नुकसान पहुंचाने की घटना नहीं हुई। वन्यजीव गांव के नजदीक आते हैं और जलाशय से पानी पीकर लौट जाते हैं।

फिर कुछ गावों में वन्यजीव इंसानों पर हमला क्यों करते हैं? इसके जवाब में गांव के रामेश्वर कहते हैं कि जहां जंगली जानवरों के आने पर शोर मचाया जाता है या लोग उनकी तरफ दौड़ते हैं, वहां ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं। हमारा तो मजे से सह–अस्तित्व चल रहा है।

केले और गन्ने की खेती नहीं करते ग्रामीण

सीनीय किसान पल्लू बताते हैं कि सभी ग्रामीणों ने बहुत पहले तय कर लिया था कि केले और गन्ने की खेती नहीं करेंगे। दरअसल, यह हाथी पसंद करते हैं।

हालांकि, कुछ समय पहले एक–दो परिवारों ने खाने के लिए घर के बाहर केले के पेड़ लगाए तो हाथी गांव में आने लगे। फिर लोगों ने केले के पेड़ खुद ही हटा दिए। गन्ना तेंदुओं को जंगल जैसा लगता है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 100 बटुकों को किया सम्मानित, बोले– चोटी खींचने वालों को लगेगा पाप

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने आवास पर 100 बटुकों का सम्मान किया। बटुकों पर पुष्पवर्षा की। तिलक लगातर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चोटी खींचने वालों को पाप लगेगा। शंकराचार्य विवाद के बीच ब्रजेश पाठक का यह सम्मान डैमेज कंट्रोल से जोड़कर देखा जा रहा है।

बताते चलें कि प्रयागराज के माघ मेले से शुरू हुआ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का विवाद अभी तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ भी इस मामले में कई बार बोल चुके हैं। सीएम ने बिना नाम लिए संकेतों में कालनेमि तक की बात कह दी थी। बजट सत्र के दौरान उन्होंने एक और प्रमुख बात बोली, जिसको लेकर बहस छिड़ी हुई है। कहा कि कोई भी खुद को शंकराचार्य नहीं लिख सकता।

सीएम योगी के इस बयान को लेकर विपक्ष विशेषकर सपा सरकार को घेर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि दूसरों से सर्टिफिकेट मांगने वालों से यदि सर्टिफिकेट मांग लिया जाए तो वह कौन सा सर्टिफिकेट देंगे? शकंराचार्य को लेकर प्रदेश की राजनीति में गहमागहमी चल रही है। इसी बीच ब्रजेश पाठक ने बटुकों को सम्मानित किया। राजनीतिक पंडित इसे डैमेज कंट्रोल से जोड़कर देख रहे हैं।

बैंडबाजा न बराती, दो IAS सादगी से बने जीवनसाथी, ट्रेनिंग में मिले, फिर हुआ प्यार

बरेली। अदिति के पिता चौपुला रोड, बिहारीपुर निवासी दिनेश वार्ष्णेय के मुताबिक, उनकी बेटी और माधव की मुलाकात सिविल सेवा प्रशिक्षण के दौरान हुई थी। साथ और विचारों की समानता ने दोस्ती को विश्वास और फिर रिश्ते में बदल दिया। दोनों की सोच प्रशासनिक सेवा में रहते हुए सरल जीवन जीना है, इसलिए शादी भी उसी भावना के अनुरूप की। माधव की मौसी डीडीपुरम में रहती हैं। दोनों जल्द पारिवारिक वातावरण में रीति–रिवाज के अनुसार सात फेरे भी लेंगे। दिनेश ने बताया कि अलवर जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला के समक्ष शादी रजिस्टर हुई। न आलीशान वेन्यू, न भारी–भरकम गहने, न मेहमानों की भीड़... सिर्फ कुछ वरिष्ठ अधिकारी और दोनों पक्ष के परिजन मौजूद रहे। ये विवाह नई पीढ़ी के अफसरों को सादगी का संदेश देगा। अदिति को वर्ष 2023 में पहले प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा में 57वीं रैंक मिली थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज से स्नातक अदिति वर्तमान में गुजरात कैडर में जामनगर की प्रांत अधिकारी हैं। माधव मसूरी के निवासी हैं। वर्ष 2023 में 536वीं रैंक प्राप्त कर सिविल सेवा में आए। एनआईटी प्रयागराज और आईआईएम अहमदाबाद से पढ़ाई के बाद वह कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत थे। वर्तमान में अलवर में एसडीएम हैं।

कोर्ट से लखनऊ लौटते समय मोची की दुकान पर रुके राहुल गांधी

रामचेत की मौत पर व्यक्त की शोक संवेदना

लखनऊ,संवाददाता। सुल्तानपुर कोर्ट से लखनऊ लौटते समय राहुल गांधी मोची की दुकान पर रुके। उन्होंने बेटे राघव से बात करके इनके पिता रामचेत की मौत पर शोक संवेदना व्यक्त की। यूपी के सुल्तानपुर में कोर्ट में बयान दर्ज कराकर लौटते समय राहुल गांधी अयोध्या–प्रयागराज हाईवे के गुप्तारगंज स्थित रामचेत मोची की दुकान पर रुके। उन्होंने रामचेत के परिवार से बात की। उनके बेटे से परिवार का हाल जाना। इसके बाद लखनऊ के लिए निकल गए।

राहुल गांधी ने विधायक नगर चौराहा स्थित रामचेत मोची के बेटे राघव दुकान पर थे। राहुल गांधी करीब सात मिनट उनकी दुकान पर रुके। रामचेत की मौत पर श्रद्धाजलि अर्पित की। बेटे राघव से कहा कि वह रामचेत की मृत्यु पर नहीं आ पाए। राघव की बिटिया श्रद्धा को अपनी गोदी में उठाया। उसे चाकलेट दी और दुलार किया। राघव को आश्वासन दिया कि जब भी जरूरत पड़ेगी वह उनकी मदद के लिए खड़े हैं। बतातें चलें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को सुल्तानपुर में एमपी–एमएलए कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए खुद को बेगुनाह बताया। कोर्ट ने मामले में सफाई साक्ष्य पेश करने के लिए अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है।

करीब आधे घंटे तक कोर्ट कक्ष का दरवाजा बंद करके मानहानि मामले में धारा 313 के तहत बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चली। इस दौरान अदालत परिसर में समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही। कोर्ट कक्ष से लेकर बाहर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू रही। भीड़ को नियंत्रित करने में सुरक्षाकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। अब मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। जब बचाव पक्ष की ओर से सफाई साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

कांग्रेस ने सरकार को दिया प्रति व्यक्ति आय का जवाब, 37500 प्रति व्यक्ति पर कर्ज

लखनऊ,संवाददाता। यूपी विधानसभा के आज हंगामेदार रहने का अंदेशा है। सरकार को आज कैग रिपोर्ट पेश करने के साथ–साथ राष्ट्रपति का अभिभाषण पास कराना है।

प्रदेश में कर्ज को लेकर छिड़ी बहस

बजट सत्र में प्रदेश में कर्ज को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि आज प्रदेश में 9 लाख से ज्यादा का कर्ज है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने विरोध जताया। हालांकि बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि इतना कर्ज है।

नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर अंगुली उठाते हुए कहा कि अस्पतालों में तो छोड़ो, मेडिकल कॉलेज तक में रेफर करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग जीवन–मरण से संबंधित है, इसलिए इस विभाग में संविदा में कर्मी नहीं रखे जांए।

शिवपाल सिंह ने बजट पर अपना विरोध जताया

बजट सत्र में सपा विधायक शिवपाल सिंह ने शायरी पढ़कर बजट पर अपना विरोध जताया।

बिजली विभाग की विजिलेंस टीम से जनता त्रस्त – राजा भैया

बजट पर चर्चा में रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने संसदीय कार्य मंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम लोग कोई कार्य लेकर आएं तो प्रमुखता से सुनें। बजट के लिए 9 लाख करोड़ से ज्यादा की धनराशि आंवटित हुई है, तो यह बजट व्यय भी हो। जो भी प्रस्ताव मिलें, आप उसे पास करें।

उन्होंने पेयजल की समस्या भी उठाई। कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जब तक सभी जगहों पर पानी की टंकियां शुरू नहीं हो जाती, तब तक हैंडपंप रिबोर की व्यवस्था बनाएं रखें। गर्मी में पानी की किल्लत होती है तो इस पर ध्यान देना चाहिए। बिजली की समस्या तो ठीक है। लेकिन, विजिलेंस की टीम से क्षेत्र की जनता त्रस्त है। तंज कसा कि इनकी निगरीनी के लिए भी एक विजिलेंस लगानी पड़ेगी।

उन्होंने सदन में संस्कृत आज दम तोड़ रही है। संस्कृत को राजाश्रय की जरूरत है। इस भाषा के प्रोत्साहन लिए भी बजट आवंटित होना चाहिए।

37,500 है प्रति व्यक्ति कर्ज

सरकार के प्रति व्यक्ति आय के जवाब में कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने प्रति व्यक्ति कर्ज बताया। उन्होंने कहा कि 2020–21 में प्रदेश पर 05 लाख 64 हजार का कर्ज था। अब 2024–25 में 08 लाख 46 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज हो चुका है। आज प्रति व्यक्ति पर लगभग 37,500 का कर्ज है।

सपा ने वाकआउट किया

सवालों के जबाव न देने पर रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सपा ने वाकआउट किया।

यूपी के कामगारों की डिमांड सबसे ज्यादा

जवाब में मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि पलायन शब्द अब यूपी से बाहर हो गया है। आज दुनियाभर में सबसे ज्यादा डिमांड यूपी के कामगारों की है।

रामकथा संग्रहालय में एक ही टिकट पर सभी डिजिटल गैलरियों में मिलेगी एंट्री

अयोध्या,संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय की वीथिकाओं में प्रदर्शित होने वाले प्रदर्शों को देखने के लिए दर्शनार्थियों को शुल्क देना होगा। यह मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की स्वीकारोक्ति के बाद तय हो गया है। यद्यपि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से मामूली शुल्क ही लिया जाएगा। इसे प्रदर्शों के संरक्षण व संवर्द्धन पर व्यय किया जाएगा।शुल्क का निर्धारण संग्रहालय खुलने के पहले हो जाएगा। दर्शनार्थियों को एक ही टिकट पर सभी डिजिटलाइज्ड गैलरियां देखने का अवसर प्राप्त होगा। दर्शक अधिकतम 12 से 15 मिनट तक बैठ सकेंगे, जिससे प्रतिदिन अधिकाधिक दर्शकों को लाभ मिल सके। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से पुनर्विकसित कराए जा रहे रामकथा संग्रहालय में 20 वीथिकायें बन रही हैं। इनमें से पांच पूरी तरह डिजिटलाइज्ड होंगी। चार वीथिकायें भगवान राम व एक हनुमान जी को समर्पित होगी।

इन वीथिकाओं में 5–डी व 7–डी जैसी उन्नत तकनीक के आधार पर भगवान के जीवनवृत्त का ऐसे चित्रण होगा, जिससे दर्शन करते समय श्रद्धालुओं को त्रेता युग जैसा आभास हो। गैलरियों में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीक प्रयुक्त करने के लिए मंदिर ट्रस्ट ने आइआइटी चेन्नई की संस्था प्रवर्तक से अनुबंध किया है।

आइटी विशेषज्ञों के निर्देशन में ही इनकी स्क्रिप्टिंग कराई जा रही है। इनके अलावा संग्रहालय की एक वीथिका में रामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण अभिलेखों और एक गैलरी में वर्ष 2003 में एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की ओर से की गई जन्मभूमि की खोदाई का चित्रण कराया जाएगा। इन सभी गैलरियों में प्रवेश सशुल्क होगा। सूत्रों ने बताया कि एक ही टिकट पर सभी डिजिटलाइज्ड गैलरियां देखी जा सकेंगी। दो दिन पूर्व जीर्णोद्धार संबंधी कार्यों की समीक्षा के दौरान मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने संग्रहालय को सितंबर तक दर्शनार्थ खोलने की घोषणा की है। बताया जा रहा कि सिविल कार्य पूरा होते ही गैलरियों पर कार्य शुरू होने जा रहा है। संग्रहालय के निदेशक डा. संजीव कुमार सिंह कहते हैं, श्रद्धालुओं से लिया जाने वाला मामूली शुल्क संग्रहालय पर ही खर्च किया जाएगा।

मथुरा–वृंदावन पहली पसंद ये आंकड़े चौंका देंगे

पिछले वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या ने तोड़ दिया रिकॉर्ड

मथुरा,संवाददाता। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन अब केवल आस्था ही नहीं बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाला सबसे बड़ा इंजन बन गया है। टेंपल इकॉनमी मॉडल ने यह साबित कर दिया है कि अगर धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ा दी जाएं, तो आस्था और अर्थतंत्र दोनों मजबूत होते हैं। इसका उदाहरण मथुरा–वृंदावन है, जहां पिछले वर्ष रिकॉर्ड 9.3 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में ब्रज क्षेत्र में सड़कों का चौड़ीकरण, घाटों का सौंदर्यीकरण, आधुनिक पार्किंग और बेहतर लाइटिंग ने श्रद्धालुओं के अनुभव को सुखद बनाया है। दिल्ली, आगरा और लखनऊ से यमुना एक्सप्रेस–वे और रेल मार्ग की बेहतरीन कनेक्टिविटी के कारण अब मथुरा पहुंचना बेहद आसान हो गया है। सरकार द्वारा आध्यात्मिक विरासत को सहेजने के साथ–साथ आधुनिक सुविधाओं के विस्तार से ब्रज का गौरव वापस लौट रहा है। वर्ष 2023 में मथुरा में 7.79 करोड़ पर्यटक आए। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 9 करोड़ के पार पहुंची। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 10.2 करोड़ श्रद्धालुओं ने ब्रज में हाजिरी लगाई। यह वृद्धि दर्शाती है कि सुरक्षा और सुविधाओं के प्रति पर्यटकों का विश्वास बढ़ा है। करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था में जान फूंक दी है। होटल, होम स्टे, ट्रांसपोर्ट और रेस्टोरेंट बिजनेस में ऐतिहासिक

उछाल आया है। प्रसाद उद्योग, फूल माला विक्रेता और स्थानीय हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों की आय कई गुना बढ़ गई है। वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ने से हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। रियल एस्टेट और एमएसएमई सेक्टर में भी उछाल आया है। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ट्रेवल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन ने धार्मिक पर्यटन की परिभाषा बदल दी है। पहले पर्यटक सुविधाओं के अभाव में परेशान होते थे, लेकिन अब इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास होने से पर्यटकों की संख्या और उनका ठहराव (स्टे) दोनों बढ़ा है। इसका सीधा फायदा स्थानीय होटल व्यवसायियों, गाइडों और छोटे दुकानदारों को मिल रहा है। टेंपल इकॉनमी ने मथुरा सहित पूरे ब्रज क्षेत्र के बाजार में नई रौनक लौटा दी है।

बिजनौर में अनोखी घुड़चढ़ी

दूल्हे ने ट्रैक्टर पर निकाली बारात, देसी अंदाज का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बिजनौर। बिजनौर के गांव खेड़ा में दूल्हे शुभम कुमार ने लग्जरी कार छोड़ ट्रैक्टर पर बारात निकाली। देसी अंदाज की इस शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग सादगी की तारीफ कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में गांव खेड़ा में एक अनोखी बारात देखने को मिली, जहां दूल्हे शुभम कुमार ने लग्जरी कारों की बजाय ट्रैक्टर पर सवार होकर अपनी बारात निकाली। इस अनोखे अंदाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

दूल्हे की ट्रैक्टर पर सवार बारात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस देसी अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं और दूल्हे की सादगी की सराहना कर रहे हैं।

सादगी की ग्रामीणों ने की तारीफ

गांव के लोगों ने भी इस पहल की जमकर तारीफ की। उनका कहना है कि यह परंपरा गांव की असली पहचान है, जिसे अब फिर से देखने को मिला है।

पुरानी परंपरा को जिंदा रखना चाहते हैं दूल्हे शुभम

दूल्हे शुभम कुमार ने बताया कि उनका उद्देश्य पुरानी परंपराओं को फिर से जीवित करना है। उन्होंने कहा कि पहले गांवों में इसी तरह ट्रैक्टर और घोड़ी पर बारात निकाली जाती थी और वह उसी संस्कृति को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

10वीं की परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक को रोडवेज ने मारी टक्कर

बहराइच,संवाददाता। बहराइच में 10वीं की परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक को रोडवेज ने टक्कर मार दी। हादसे में ममेरे भाइयों की मौत हो गई। जबकि, तीसरा घायल हो गया। यूपी के बहराइच में शुक्रवार की सुबह 10वीं की परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई। जबकि, तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी चालक बस छोड़कर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हादसा रामगांव थाना क्षेत्र में बहराइच–नानपारा मार्ग स्थित झिंगहा घाट के पास हुआ। क्षेत्र के ही राजापुर माफी गांव निवासी आशाराम का बेटा मस्तराम (17) अपने मामा के लड़के रोहित व जयहिंद के साथ सुबह 7 बजे परीक्षा देने जाने के लिए निकला था। उसका सेंटर नगर के सिटी मांटेसरी स्कूल में था। झिंगहा घाट के पास हनुमान मंदिर के सामने तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद आरोपी चालक बस छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। वहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद मस्तराम और रोहित की मौत की पुष्टि की। वहीं जयहिंद को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मस्तराम के पिता आशाराम ने बताया कि बस की टक्कर से उनके बेटे और उनके साले के बेटे की मौत हो गई है। थाना प्रभारी गुरुसेन सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में परीक्षा देने जा रहे दो छात्रों की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

देश का 25वां शहर है मेरठ, जहां दौड़ेगी मेट्रो

मेरठ भारत का 25वां शहर बनने जा रहा है जहाँ मेट्रो सेवा शुरू होगी। रविवार से मेट्रो चलने से दिल्ली रोड पर यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है। मेरठ में दिल्ली रोड के यातायात में मेट्रो से आएगा बड़ा बदलाव। आटो और ई–रिक्शा दिल्ली रोड के बजाय गलियों तक सिमट जाएंगे।

मेरठ,संवाददाता। मेट्रो रेल की कहानी सिर्फ ट्रांसपोर्ट नहीं, बल्कि तकनीक, सुविधा व शहर के बदलते चेहरे की कहानी को बयां करती है। मेट्रो का यह सफर देश में 1984 में कोलकाता से शुरू हुआ था। मेरठ देश का 25वां शहर होगा, जहां रविवार से मेट्रो दौड़ेगी। अफसर मान रहे हैं कि मेट्रो के संचालन से दिल्ली रोड के यातायात को राहत मिलेगी। मेरठ में हर साल 67 हजार नए वाहन आ रहे हैं। निजी वाहनों की संख्या 12 लाख और व्यावसायिक वाहनों की संख्या 83 हजार तक पहुंच चुकी है। ट्रैफिक कई गुना बढ़ने से सड़कें कराह रही हैं। हकीकत यह है कि परतापुर से बेगमपुल तक पहुंचने में जितना समय लगता है, उतना तो परतापुर से दिल्ली पहुंचने में भी नहीं लगता।

देश में मेट्रो का सफर

कोलकाता से 1984 में अंडरग्राउंड मेट्रो की शुरुआत हुई थी। उसके बाद 2002 में दिल्ली में मेट्रो आई। इसका जाल दिल्ली एनसीआर के गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा तक फैल चुका है। दिल्ली में मेट्रो शुरू होने के नौ साल बाद 2011 में बेंगलुरु भी मेट्रो वाला शहर बन गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मेट्रो की शुरुआत 2014 में हुई। 2015 में जयपुर और चेन्नई, 2017 में लखनऊ, हैदराबाद और कोच्चि, 2019 में नागपुर, गुजरात के अहमदाबाद–गांधीनगर, 2021 में कानपुर, 2022 में पुणे, 2024 में आगरा, 2025 में इंदौर, पटना और भोपाल में मेट्रो की शुरुआत हुई। अब 2026 में मेरठ में मेट्रो चलने जा रही है।

पीएम मोदी ने यूरोपीय देश के प्रिंस से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में पहली बार आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आज पांचवां दिन है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इस ऐतिहासिक समागम में 100 से अधिक देशों के तकनीकी धुरंधर शिरकत कर रहे हैं। आज एआई इम्पैक्ट समिट में कौन सी गतिविधियां होने वाली हैं?

भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले गोयल?

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (थ्ज।) को लेकर कहा कि पहली बार यूरोपीय संघ के सभी 27 देश इस समझौते को जल्द अंतिम रूप देने और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आर्थिक शक्ति और बढ़ते वैश्विक प्रभाव का परिणाम है। साथ ही गोयल ने कहा कि सरकार देशभर में 1000 युवा पुरुषों और महिलाओं को जोड़ने की योजना बना रही है, जिन्हें प्रशिक्षित कर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा ताकि वे पूरे देश में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और सरकारी समर्थन से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचा सकें।

भारत मंडपम के बाहर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

भारत मंडपम के बाहर भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर अर्धनग्न होकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

सरकार श्कंप्लीट ।प स्टैकश बनाने पर विचार में– जयंत चौधरी

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार एक कंप्लीट ।प स्टैक विकसित करने पर विचार कर रही है, जो अनाम (अनोनिमाइज्ड) डेटा सेट्स पर आधारित होगा और शोधकर्ताओं तथा स्टार्टअप्स के लिए सुलभ बनाया जाएगा, ताकि नवाचार की अगली लहर को गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और डेटा तक सुरक्षित व जिम्मेदार पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे उभरती कंपनियां और शोध संस्थान उन्नत एआई समाधान विकसित कर सकें। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि एआई प्रणालियों के लिए एक ऑडिट ट्रेल मैकेनिज्म विकसित किया जाना चाहिए, जिससे एआई मॉडल के उपयोग, निर्णय प्रक्रिया और जवाबदेही को बेहतर ढंग से ट्रैक किया जा सके। चौधरी ने भविष्य में संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (ब्।ळ) जैसी संस्थाओं द्वारा एआई मॉडलों पर ऑडिट रिपोर्ट जारी किए जाने की संभावना भी जताई। उनके अनुसार, इससे एआई के उपयोग में पारदर्शिता और भरोसा बढ़ेगा।

पैक्स सिलिका समझौते पर भारत ने किए हस्ताक्षर

एआई-सप्लाई चेन सुरक्षा से जुड़ा है ट्रंप का प्रयास

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत एआई और टेक सुरक्षा में अमेरिका व सहयोगी देशों के साथ बड़ा कदम उठा रहा है। इससे टेक्नोलॉजी, व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा तीनों को फायदा होगा। भारत ने औपचारिक रूप से अमेरिका की अगुवाई वाली पहल श्पैक्स सिलिकाश में शामिल होने के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बनाई गई है। वहीं इस हस्ताक्षर के बाद ट्रंप सरकार में मंत्री जैकब हेलबर्ग ने कहा, पैक्स सिलिका इस बात की घोषणा है कि भविष्य उन्हीं का है जो निर्माण करते हैं और जब स्वतंत्र लोग एकजुट होते हैं। इस घोषणा में कहा गया है कि एआई भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है और सुरक्षित सप्लाई चेन किसी भी देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है।

किन नेताओं की मौजूदगी में हुआ समझौता?

इस समझौते पर हस्ताक्षर के समय भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, अमेरिका के मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत के आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद थे।

क्या है पैक्स सिलिका?

यह अमेरिकी विदेश विभाग की प्रमुख पहल है। इसका मकसद एआई तकनीक को सुरक्षित तरीके से विकसित करना, महत्वपूर्ण सामान और संसाधनों की सप्लाई चेन को भरोसेमंद बनाना और सहयोगी देशों के बीच आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना है। इस पहल की घोषणा में कहा गया है कि मजबूत सप्लाई चेन आर्थिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। एआई भविष्य की समृद्धि और विकास की सबसे बड़ी ताकत बनेगा।

घोषणा पर किन देशों ने किया हस्ताक्षर?

इस घोषणा पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, यूएई, सिंगापुर, इस्राइल, कतर और ग्रीस शामिल हैं। जबकि कनाडा, यूरोपीय संघ, नीदरलैंड्स और ताइवान जैसे देश इसमें भागीदार के रूप में जुड़े हैं।

अमेरिका अधिकारियों ने क्या कहा?

अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के शामिल होने को बहुत अहम बताया। सर्जियो गोर ने कहा यह साझेदारी श्आजादी, ताकत और जीतश का चुनाव है। उन्होंने कहा कि यह तय करेगा कि भविष्य की तकनीक बंगलूरू और सिलिकॉन वैली में बनेगी या निगरानी वाले देशों में। ट्रंप प्रशासन में मंत्री जैकब हेलबर्ग ने कहा, आज कई देश आर्थिक दबाव और ब्लैकमेल का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आर्थिक सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा है। यह पहल तकनीक और सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाक देशों की समृद्धि बढ़ाएगी।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है समझौता?

इस समझौते से भारत को कई फायदे मिल सकते हैं। जैसे–

टेक्नोलॉजी लाभ

।प रिसर्च और इनोवेशन में सहयोग
नई टेक्नोलॉजी तक बेहतर पहुंच

आर्थिक सुरक्षा

सप्लाई चेन में चीन जैसी निर्भरता कम करने में मदद
महत्वपूर्ण खनिज और चिप सप्लाई सुरक्षित

रणनीतिक फायदा

अमेरिका और सहयोगी देशों के साथ मजबूत संबंध
वैश्विक टेक राजनीति में भारत की भूमिका बढ़ेगी
आपकी पीढ़ी इस विकास दर का लाभ उठाएगी

वहीं भारत और अमेरिका के बीच पैक्स सिलिका घोषणापत्र पर हस्ताक्षर समारोह में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, श्अगर यह भावना 1947 से बनी रहती, तो हम सभी कल्पना कर सकते हैं कि भारत की विकास दर में कितनी तेजी आई होती। कोई बात नहीं, भले ही यह 2014 से हो। अब, आपकी पीढ़ी इस विकास दर का लाभ उठाएगी।

'क्योटो भी घूम आइए' CM योगी पर अखिलेश का कटाक्ष

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे पर तंज कसा है. अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा जापान जा रहे हैं तो क्योटो भी चले जाइएगा, जिससे ये पता चल सके कि प्रधान–संसदीय क्षेत्र काशी, क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया या उसकी विरासत कैसे बिगड़ी. जापान से विरासतों को बचाने और शहरों को आगे बढ़ाने का सकारात्मक सबक लेते आइएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव के समय दो तरह के नेता होते हैं एक जो बताते हैं कि वे जनता के लिए क्या करना चाहते हैं... दूसरे, ध्रुवीकरण कराओ, एक–दूसरे से लड़ाओ, किसी के परिवार पर आक्रमण करो. हमारी यह राजनीति न कभी रही है और न रहेगी. जिस तरह गौरव गोगोई और उनके परिवार पर आक्रमण हो रहा है मुझे लगता है कि यह एक उदाहरण होना चाहिए कि ऐसी राजनीति गलत है..

प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

'AI बहुत कुछ कर सकता है, लेकिन दिल्ली का ट्रैफिक नहीं सुधार सकता'

पेट दर्द से खुलासा ! 5 साल पहले ऑपरेशन में छूट गई थी कैंची

फुटबॉल खेलते वक्त अचानक गिरे मेघालय के MP रिकी सिंग्कोन, निधन

तारीख	मुकाबला	स्थान	भारतीय समय
21 फरवरी	न्यूजीलैंड vs पाकिस्तान	कोलंबो (प्रेमदासा)	शाम 7:00 बजे
22 फरवरी	इंग्लैंड vs श्रीलंका	पल्लेकेले	दोपहर 3:00 बजे
22 फरवरी	भारत vs दक्षिण अफ्रीका	अहमदाबाद	शाम 7:00 बजे
23 फरवरी	जिम्बाब्वे vs वेस्टइंडीज	मुंबई (वानखेड़े)	शाम 7:00 बजे
24 फरवरी	इंग्लैंड vs पाकिस्तान	पल्लेकेले	शाम 7:00 बजे
25 फरवरी	न्यूजीलैंड vs श्रीलंका	कोलंबो (प्रेमदासा)	शाम 7:00 बजे
26 फरवरी	वेस्टइंडीज vs दक्षिण अफ्रीका	अहमदाबाद	दोपहर 3:00 बजे
26 फरवरी	भारत vs जिम्बाब्वे	चेन्नई	शाम 7:00 बजे
27 फरवरी	इंग्लैंड vs न्यूजीलैंड	कोलंबो	शाम 7:00 बजे
28 फरवरी	पाकिस्तान vs श्रीलंका	पल्लेकेले	शाम 7:00 बजे
1 मार्च	जिम्बाब्वे vs दक्षिण अफ्रीका	दिल्ली	दोपहर 3:00 बजे
1 मार्च	भारत vs वेस्टइंडीज	कोलकाता	शाम 7:00 बजे

पिछली 8 T20I पारियों में पांच शून्य

अभिषेक शर्मा

खिलाफ	रन	गेंदबाजी	तारीख	मैदान
नीदरलैंड्स	0	10/0	18 फरवरी 2026	अहमदाबाद
पाकिस्तान	0	—	15 फरवरी 2026	कोलंबो
अमेरिका	0	—	07 फरवरी 2026	मुंबई
न्यूजीलैंड	30	13/0	31 जनवरी 2026	तिरुवनंतपुरम
न्यूजीलैंड	0	—	28 जनवरी 2026	विशाखापत्तनम
न्यूजीलैंड	68*	—	25 जनवरी 2026	गुवाहाटी
न्यूजीलैंड	0	12/0	23 जनवरी 2026	रायपुर
न्यूजीलैंड	84	3/0	21 जनवरी 2026	नागपुर

दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में दुनिया के नंबर–एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का बल्ला खामोश नजर आ रहा है। अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ भी वह खाता नहीं खोल सके। 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अभिषेक तीन गेंदों में शून्य पर बोल्ड हो गए। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा शून्य रहा। जो खिलाड़ी पिछले डेढ़ साल से विश्व क्रिकेट में तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाना जा रहा था, वही अब संघर्ष करता दिख रहा है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह केवल खराब फॉर्म है या उम्मीदों का दबाव या फिर उन्हें किसी की नजर लग गई है?

बीसीसीआई और भारत के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं

बांग्लादेश के खेल मंत्री अमीनुल हक का बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो चुका है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद तारिक रहमान ने भारत के साथ पिछले एक साल के अंदर खराब हुए रिश्ते सुधारने की कोशिश तेज कर दी है। बांग्लादेश के नए खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ संबंध बेहतर करना चाहते हैं।

रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश

खेल मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अमीनुल हक ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं और सारे मुद्दों को जल्द सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने कहा,शपथ लेने के बाद, मैं संसद भवन में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। उनसे टी20 विश्व कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं।

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं

अमीनुल हक ने कहा, खेल के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। राजनीतिक दिक्कतों के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। अगर चर्चा हुई होती, तो उन मुद्दों

का समाधान हो गया होता और हमारी टीम विश्व कप का हिस्सा होती।

आईसीसी ने बाहर किया था

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की अपनी टीम से बाहर करने का आदेश दिया था। केकेआर ने बोर्ड का आदेश माना था। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग आईसीसी से की।

सेपक टाकरा प्रतियोगिता के लिए रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीम का चयन, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

बरेली,संवाददाता। असम विश्वविद्यालय में होने वाली अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालयीय सेपक टाकरा प्रतियोगिता के लिए रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया गया है। टीम में कई खिलाड़ियों को जगह मिली है। बरेली के महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अंतर–महाविद्यालयीय सेपक टाकरा (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध चार महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के आधार पर असम विश्वविद्यालय में होने वाली अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालयीय सेपक टाकरा (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया

गया। चयनित खिलाड़ी अंतर–विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में रुहेलखंड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इन खिलाड़ियों का टीम में हुआ चयन

पुरुष टीम में विनय यादव, जतिन, उवेश, अमन, आर्यन, अमित, आश्मित, सार्थी, युवराज, सतीश, शानू, पृथ्वी, अभय, अनमोल व योगेश को शामिल किया गया। वहीं, महिला वर्ग में राशिका, सुहानी, समरीन, मोहिनी, चंचल, तान्या यादव, वंशिका, नंदिनी, नीलम, शालिनी राय, दिव्यांका पांडेय, यंत्रा व जिया का टीम में चयन हुआ। प्रतियोगिता के दौरान क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस बेदी, परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह, क्रीड़ा सचिव परिसर डॉ. नीरज कुमार, सह–क्रीड़ा सचिव डॉ. अजीत सिंह, विजय कुमार सिंहाल, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. इरम नईम आदि उपस्थित रहे। टीम का चयन लकी, शुभम तिवारी की ओर से किया गया। ऑफिशियल की भूमिका दीपक मौर्य ने निभाई।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत

स्पोर्ट्स डेस्क। उन्नाव के शुक्लागंज में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई और 15–20 खिलाड़ी घायल हुए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। क्रिकेट संघ ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 खिलाड़ी घायल हो गए।

यह घटना बुधवार शाम शुक्लागंज क्षेत्र के सप्रौ मैदान में हुई। पुलिस के मुताबिक, कानपुर निवासी मणिक गुप्ता मैच में अंपायरिंग कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों पर टूट पड़ा। हमले के बाद मैदान में अफरातफरी मच गई और खिलाड़ी व दर्शक जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे।

अस्पताल ले जाते समय बिगड़ी हालत

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक से मणिक गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अंपायर और करीब 15–20 खिलाड़ियों को भी मधुमक्खियों ने डंक मारा, जिनका इलाज कराया गया।

क्रिकेट संघ ने जताया शोक

कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. एन. सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, श्उन्नाव में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में अंपायर मणिक गुप्ता का निधन हो गया।

जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब भी मधुमक्खियां उनके चेहरे और शरीर से चिपकी हुई थीं, जिससे हमले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, श्संघ इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।

जांच और सुरक्षा पर सवाल

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मैदान के आसपास मधुमक्खियों का छत्ता होने की संभावना जताई जा रही है। इस दुखद हादसे ने खेल आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

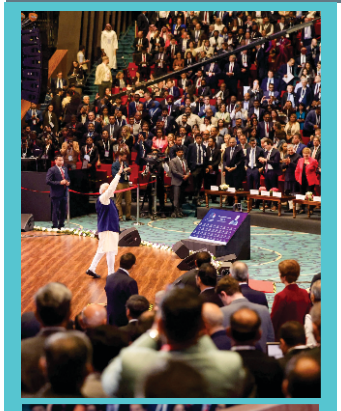

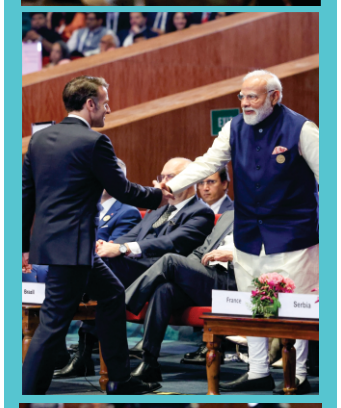

AI का महाकुंभ

इमैनुएल मैक्रों ने पीएम मोदी संग शेयर की AI से बनी तस्वीर

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों एआई समिट में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे. इस दौरान मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पीएम मोदी के साथ AI तस्वीर शेयर की है. इस एआई तस्वीर में पीएम मोदी और मैक्रों heart का साइन बनाते नजर आ रहे हैं. उन्होंने लिखा, जब दोस्त मिलते हैं तो इनोवेशन खुद-ब-खुद होता है. AI इम्पैक्ट समिट के लिए तैयार हूं।

PM बोले-डीपफेक रोकने के लिए AI कंटेंट पर लेबल लगे: AI समिट में अंबानी ने कहा- साबित करेंगे कि AI नौकरियां नहीं छीनता

आज मशीन लर्निंग से लर्निंग मशीन तक का सफर तेज भी है, गहरा भी है, व्यापक भी है. इसलिए हमें विजन भी बड़ा रखना है और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है. वर्तमान पीढ़ी के साथ ही हमें इस बात की भी चिंता करनी है कि आने वाली पीढ़ियों के हाथों में हम AI का क्या स्वरूप सौंपकर जाएंगे.